तापमान

अधिकतम 30 .0 डिग्री
न्यूनतम 27 .0 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, सोमवार, 7 जुलाई 2025

12 हत्या कर शव खुर्दबुर्द करने की कोशिश बीच रास्ते...

12 कौशलों और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से सशक्त बनाने...

खबर संक्षेप

नहर में बहे 32 वर्षीय विक्रांत का शव मिला

गोहाना। गांव सरगथल में नहर में बहे 32 साल के विक्रांत का शव मिल गया। उसका शव गांव से लगभग 10 किलोमीटर दूर लाठ-जौली के निकट नहर में मिला। विक्रांत दोस्तों के साथ गुरुवार दोपहर को गांव के निकट गुजर रही भालौठ सब ब्रांच और जेएलएन नहर की तरफ घूमने गया था। वह दोपहर लगभग चार बजे भालौठ सब ब्रांच नहर में नहाने के लिए उतरा था और पानी के तेज बहाव के साथ बह गया था। पुलिस और प्रशासन की टीम उसकी लगातार तलाश कर रही थी। रविवार को उसका शव मिल गया। शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया।

युवक की संदिग्ध हालात में मौत

सोनीपत। हरसाना गांव में 27 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव के साहिल के रूप में हुई है। युवक का शव घर पर मिला, जिसे देखकर स्वजन ने हत्या की आशंका जताई। उन्होंने इसकी सूचना सदर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने मृतक के भाई के बयान के आधार पर कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया और स्वजन को सौंप दिया। जांच अधिकारी नरेश ने बताया कि स्वजन के बयान दर्ज कर लिए गए हैं और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी हुई है।

शहर के पश्चिमी क्षेत्र में रविवार को 4 घंटे गुल रही बिजली, पेयजल सप्लाई भी रही बाधित

बिजली-पानी की मार से जूझा शहर

उमस भरी गर्मी में लाइट और पानी के बिना परेशान हुए लाखों लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

रविवार को शहर के पश्चिमी हिस्से के हजारों लोग दोहरी परेशानी से जूझते रहे, न बिजली थी, न पानी। एक ओर सूरज स्टील 33 केवी पावर हाउस पर मरम्मत के चलते चार घंटे से अधिक समय तक बिजली आपूर्ति ठप रही, वहीं दूसरी ओर महलाना रोड पर टूटी पेयजल की मेन पाइप लाइन के कारण दर्जनों कॉलोनियों में नलों से एक बूंद पानी नहीं आया। उमस भरी गर्मी में लोगों का दिन बाल्टियां भरने, पंखे झलने और शिकायतें करने में बीत गया।

रविवार को सूरज स्टील 33 केवी पावर हाउस पर जरूरी मरम्मत कार्य के चलते शहर के पश्चिमी हिस्से में बिजली आपूर्ति करीब साढ़े चार घंटे तक ठप रही। सुबह 11 बजे से लेकर दोपहर 3:20 बजे तक हुई कटौती ने आमजन को उमस भरी गर्मी में बेहाल कर दिया। वहीं दूसरी ओर शहर के पश्चिमी हिस्से में रविवार को पेयजल संकट गहराया रहा। महलाना रोड पर नगर निगम की पेयजल आपूर्ति की मुख्य पाइप लाइन टूटने के कारण कई कॉलोनियों में नलों से पानी नहीं टपका। गर्मी और उमस भरे दिन में पानी की अनुपलब्धता ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी।

सोनीपत। पेड़ों की कटाई करवाते बिजली कर्मी, बिजली लाइन जहां पर मरम्मत कार्य किया गया, पेयजल सप्लाई की मरम्मत कार्य के लिये खोदे गड्ढे में भरा पानी।

गड्ढे में भरा पानी बना मुसीबत

इसी बीच महलाना रोड पर नगर निगम की पेयजल लाइन पर मरम्मत कार्य जारी रहा। यह वही लाइन थी, जिसकी खुदाई दो दिन पहले की गई थी। बारिश के कारण गड्ढे में पानी भर गया, जिससे मरम्मत कार्य और अधिक देर से शुरू हो सका। इसके चलते मंडी क्षेत्र, आर्य नगर, राम नगर, मिशन चौक, सूरी पेट्रोल पंप वाली गली, सरदारों वाली गली, विशाल नगर, वेस्ट राम नगर, मिशन कॉलोनी, भरतपुरी, प्रभु नगर, बाबा कॉलोनी, शास्त्री नगर सहित दर्जनों कॉलोनियों में पेयजल आपूर्ति काफी हद तक प्रभावित रही। गनीमत ये रही कि जैसे जैसे पेयजल लाइन ठीक होती रही, वैसे वैसे ही पेयजल सप्लाई दी गई।

बिजली गई, राहत भी गई

सुबह 11 बजे से दोपहर 3:20 बजे तक शहर का एक बड़ा हिस्सा गर्मी की गिरफ्त में रहा। सूरज स्टील पावर हाउस से जुड़ी सभी लाइन पर इस दौरान बिजली कट रहा। इस दौरान 33केवी जंपर, क्लैम्प, नट-बोल्ट की टाइटनिंग, जंपर बदलना, जीएसएल सेटिंग और ट्री ट्रिमिंग का कार्य किया गया। इस तकनीकी कार्य के चलते मंडी क्षेत्र, आर्य नगर, राम नगर, मिशन चौक, सूरी पेट्रोल पंप वाली गली, सरदारों वाली गली, विशाल नगर, वेस्ट राम नगर, मिशन कॉलोनी, भरतपुरी, प्रभु नगर, बाबा कॉलोनी, शास्त्री नगर आदि में बिजली गुल रही।

गर्मी और उमस ने बढ़ाई बेचैनी

तेज धूप और नमी से लोगों का हाल बेहाल रहा। बिजली गुल होने के कारण दुकानों में कारोबार प्रभावित हुआ, वहीं घरों में पंखे-कूलर बंद रहने से बुजुर्गों और बच्चों को खासा दिक्कत हुई। दूसरी ओर पेयजल सप्लाई जैसे जैसे सुचारू की गई थी, वैसे वैसे बिजली की सप्लाई नहीं मिल पाई। अधिकतर क्षेत्रों में जब पेयजल सप्लाई दी गई थी, उस समय बिजली ही नहीं थी। सुबह से ही लोग खाली बाल्टियां लेकर टंकियों और पड़ोसियों के दरवाजे खटखटाते रहे। कुछ ने पानी के टैंकर बुलाए तो कुछ दिन भर पानी के बिना ही गुजारे पर मजबूर हुए।

एक दिन पहले किया था सूचित

बिजली निगम की ओर से बिजली के कट से संबंधित जानकारी एक दिन पहले ही विभिन्न ग्रुप के माध्यम से दी गई थी। हालांकि सूचना व्यापक स्तर पर देने के बावजूद लोग बिजली को लेकर बार बार शिकायत केंद्र पर शिकायत दर्ज करवाते रहे। क्योंकि पहले दी गई सूचना में सुबह साढ़े 10 बजे से 2 बजे तक बिजली कट की जानकारी दी गई थी, लेकिन अधिकतर क्षेत्रों में 11 बजे के बाद बिजली गई थी, जोकि साढ़े 3 बजे के करीब आई थी। वहीं दूसरी ओर नगर निगम द्वारा भी विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से एक दिन पहले ही सूचना दी गई थी कि रविवार को पेयजल सप्लाई बाधित रहेगी।

गोहाना। प्रदेश सरकार के पुतले के साथ प्रदर्शन करते हुए युवा कांग्रेसी।

बढ़ते अपराध और बेरोजगारी के खिलाफ शहर में प्रदर्शन

- युवा कांग्रेसियों ने प्रदेश सरकार का पुतला फूंक कर रोष जताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

रविवार को युवा कांग्रेस द्वारा प्रदेश में बेरोजगारी, महंगाई और अपराधिक घटनाओं के खिलाफ प्रदेश सरकार के पुतले के साथ शहर में प्रदर्शन कया। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने समता चौक में प्रदेश की भाजपा सरकार का पुतला फूंका।

युवा कांग्रेस गोहाना विधानसभा के अध्यक्ष ध्रुव लठवाल ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार बेरोजगारी कम करने की तरफ कोई ध्यान नहीं दे रही है। प्रदेश में शिक्षित बेरोजगार युवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रदेश में महंगाई भी दिनोंदिन बढ़ रही है। ध्रुव लठवाल ने कहा कि बढ़ते अपराध को लेकर तो कहना ही क्या है। बदमाशों के हौंसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि आए दिन फिरौती, हत्या और लूटपाट की घटनाओं से हर तरफ खौफ है। प्रदर्शन में युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अनुज लठवाल, जोगेंद्र लाठर, चीकू खरब, सुनील मलिक और दिशांत रोहिल्ला शामिल रहे।

युवक की हत्या मामले में तीसरा आरोपित काबू

गोहाना। क्राइम यूनिट वेस्ट की पुलिस ने गोहाना में गोली मारकर युवक की हत्या की वारदात में संलिप्त तीसरे आरोपित हिसार में गांव शिकारपुर के नसीब को गिरफ्तार किया। उसे न्यायालय के आदेश पर पांच दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। गांव ईशापुर खेड़ी का अजय परिवार के साथ गोहाना में किसान कालोनी में रहता था। 12 मई को वह पत्नी के साथ बेटी को अस्पताल में दवा दिलाने लेकर गया। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के निकट गोली मारकर हत्या कर दी थी। तब पुलिस ने उसके भाई अशोक की शिकायत पर मामला दर्ज किया था। अशोक ने पुलिस को बताया था कि कई साल पहले उसके भाई अजय से उनके गांव के विजय की मौत हो गई थी, जिससे उनकी रंजिश बनी हुई थी। पुलिस ने वारदात में संलिप्त मुख्य शूटर गांव इर्शापुर खेड़ी के विशाल और रोहित उर्फ आशीष को पहले गिरफ्तार कर लिया था। अब क्राइम यूनिट वेस्ट से सहायक उप निरीक्षक कृष्ण ने पुलिस टीम के साथ आरोपित गांव शिकारपुर के नसीब को गिरफ्तार किया।

पेट्रोल पंप से स्कार्पियो कार की टंकी भरवाकर भागे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

रोहतक रोड स्थित बाइपास के निकट पेट्रोल पंप से तीन लोग स्कार्पियो की टंकी भरवाकर बिना भुगतान किए फरार हो गये। उन्होंने टंकी में 3570 रुपये का तेल भरवाया। सेल्समैन स्कैनर लाने के लिए पीछे मुड़ा तो वे गाड़ी लेकर भाग गए। सेल्समैन का कहा है कि गाड़ी में सवार एक व्यक्ति के पास हथियार भी था। यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। शहर थाना की पुलिस जांच कर रही है।

बाइपास के निकट रिलायंस का पेट्रोल पंप है जहां पर गांव सिकंदरपुर माजरा का सचिन सेल्समैन की नौकरी करता है। उसके अनुसार रविवार को लगभग छह बजे वह पंप पर था। उसी समय गोहाना की तरफ से बिना नंबर प्लेट की काले रंग की स्कार्पियो आई, जिसमें तीन लोग सवार थे। चालक ने उसे टंकी फूल करने को कहा। इसके बाद उसने गाड़ी को मशीन के पास लगाया। उसने टंकी भर दी और 3570 रुपये मांगे। उसे स्कैनर लाने को कहा गया। जैसे ही वह पीछे की तरफ मुड़ा तो वे गाड़ी लेकर फरार हो गए। सेल्समैन का कहना है कि गाड़ी में बैठे एक व्यक्ति के पास हथियार भी था।

आरोपितों की तलाश जारी

मामले की जांच की जा रही है। सेल्समैन गाड़ी में सवार एक व्यक्ति के पास हथियार होने की बात कह रहा है। सीसीटीवी फुटेज की जांच की तो कहीं हथियार नजर नहीं आया। आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद स्पष्ट हो पाएगा।

-संदीप कुमार, पीएसआई, शहर थाना

गन्नौर। कूड़े.से अटी हुई नाली से ओवरफ्लो हो कर लाला गढ़ी रोड पर जमा दूषित पानी।

लाला गढ़ी रोड पर चरमराई सफाई व्यवस्था

गन्नौर। वार्ड 9 में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सड़कों, गलियों और नालियों में कूड़े के ढेर लगे हैं, जिससे चारों ओर दुर्गंध फैली हुई है। नालियों का पानी सड़क पर फैल रहा है, जिससे राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका को कई बार शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। पूर्व पार्षद अशोक सैनी ने नगर पालिका प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने खुद इस मुद्दे को लेकर कई बार चेयरमैन और अधिकारियों से मुलाकात की, मगर सफाई कर्मियों की ड्यूटी में ढिलाई और कूड़ा न उठाने की समस्या जस की तस बनी हुई है। उन्होंने आशंका जताई है कि बरसात के मौसम में यह गंदगी गंभीर स्वास्थ्य संकट पैदा कर सकती है। मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। लोगों ने नगर पालिका से जल्द से जल्द सफाई अभियान चलाने की मांग की है ताकि हालात सुधर सकें।

आज से झमाझम बारिश के आसार, ऑरेंज अलर्ट जारी

उमस भरी गर्मी से आज मिल सकती है राहत

- रविवार को उमस भरी गर्मी ने किया बेहाल
- मौसम विभाग का कहना 10 जुलाई तक जारी रह सकता है बारिश का सिलसिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

पिछले दो दिनों से पड़ रही उमस भरी गर्मी रविवार को भी जारी रही। हालांकि पूरा दिन आसमान में बादलों की आवाजाही जारी रही, लेकिन पूरा दिन इंतजार के बावजूद बादल नहीं बरसे। मौसम विभाग ने बारिश की चेतावनी दी थी, लेकिन बारिश नहीं हुई। वहीं गर्मी से जूझ रहे सोनीपतवासियों को राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग ने जिले में सोमवार से व्यापक बारिश की संभावना जताई है और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। रविवार देर रात पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में बदलाव के संकेत मिलने लगे हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले चार से पांच दिनों तक अच्छी बारिश हो सकती है, जिससे तापमान में गिरावट आएगी और लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।

रविवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। लोगों को दिनभर बारिश की उम्मीद रही, लेकिन बदरा बरसने के बजाय उमस छोड़ गए। दिन का अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नमी भरी हवाओं और धूप के बीच लोगों का हाल बेहाल रहा। बाजारों में खरीदारों की आवाजाही कम दिखी, जबकि पार्कों और सड़कों पर भी सामान्य से कम चहल-पहल रही।

आसमान में छाए बादल।

आज से मानसून सक्रिय हो सकती है तेज बारिश

मौसम विज्ञानी डॉ. प्रेमदीप ने बताया कि रविवार रात से सक्रिय हुआ पश्चिमी विक्षोभ अब हरियाणा और एनसीआर के ऊपर प्रभावी हो गया है। बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी भरी हवाएं इसे और अधिक सक्रिय बनाएंगी। "सोनीपत जिले में सोमवार से 10 जुलाई तक अच्छी बारिश के संकेत हैं। कुछ स्थानों पर तेज वर्षा की संभावना भी है," उन्होंने बताया।

कृषि कार्यों और जलस्तर के लिए लाभदायक होगी बारिश

बारिश से जिले में खरीफ फसलों की बुआई में तेजी आने की उम्मीद है। धान, मक्का और बाजरा जैसे फसलों के लिए यह बारिश बेहद अनुकूल मानी जा रही है। इसके साथ ही भूजल स्तर में भी सुधार की संभावना है। हालांकि अभी तक मानसून में एक ही दिन अच्छी बारिश हुई थी, जब तक अच्छी बारिश नहीं हो जाती, तब तक अच्छी फसल की उम्मीद भी नहीं है। इसके अलावा सिंचाई का खर्च भी किसानों को परेशान कर सकता है।

भारतीय पुनर्वास परिषद् नई दिल्ली
द्वारा मान्यता प्राप्त
COLLGE CODE : HR041
सरकारी शिक्षक व विशेष शिक्षक बनने का सुनहरा अवसर
D.Ed Spl. Ed. (IDD/HI)
(द्वि-वर्षीय पाठ्यक्रम)
विशेष शिक्षा
सीधा प्रवेश प्रारम्भ
Last Date 10 July, 2025
सबसे कम फीस पर
योग्यता :
10+2 50 प्रतिशत अंको के साथ (General)
एवम् 45 प्रतिशत अंको के साथ SC/ST/PH
ग्रीन वैली कॉलेज
शिव मन्दिर वाली गली, पटेल नगर, सानीपत
CONTACT : 9813342781

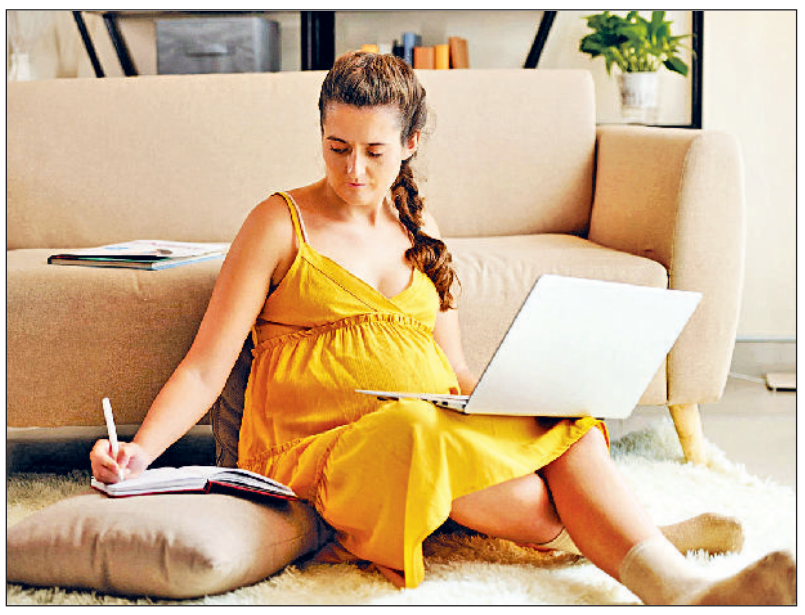

गतांक से आगे...

अभी तक आपने पढ़ा कि नवब्याहता दीप्ति मायके आई है तो सोच में डूबी, अपने में गुमसुम रहती है। ससुराल में पन्द्रह दिन रहकर ही वो जान गई कि वहाँ अभी बरसों-बरस तक उसकी स्थिति ऐसी रहने वाली है कि सभी की सेवा भी करनी है और सभी की डाँट भी खानी है। रहने-खाने के सहारे के बदले अपना सर्वस्व ससुराल वालों के चरणों में रखकर न चलेगी तो निभ न सकेगी।

अब आगे...

कहानी

इंदिरा दाँगी

भाग्य विधाता

नवजात रोती है और माँ लिखना रोककर उसे स्तनपान कराती है। सद्य प्रसूता माँ फिर पेपर लिखने लगी है। अब हिम्मत टूट रही है; माँ बीच-बीच में अपनी बेटी की ओर देखती जाती है। सहायिका दीदी की गोद में वो सो रही है। अंतिम उत्तर दीप्ति पूरे कर रही है। परीक्षक कह रही हैं कि वह कॉपी दे दे, समय पूरा हो रहा है। वो उत्तर लिख रही है। उसे अब नींद आ रही है।

अ दीप्ति ससुराल जाती ट्रेन में बैठी हज़ारों बातें सोचती है, मेरा भी उतना ही अधिकार है पापा की संपत्ति पर, जितना दोनों भाइयों का है लेकिन अम्मा दो-पांच हज़ार की विदाई देते कैसा मुँह बनाती हैं ! भाभियों की कौन कहे, वे पराए घर से आई हैं, जब जन्म देने वाली माँ ही पराया मानती है।"

सोचती जाती है और आँसू बहते जाते हैं। पति ने टोका, "ट्रेन में मत रोओ। सब देख रहे हैं। अच्छा, बताओ, विदाई कितने की मिली है ?"

शादी को एक साल हो चला। इस बीच एक बड़ा झगड़ा हुआ। सास वेणी एक शादी-समारोह में गई थी जहाँ बहू की बड़ी भाभी सुरेखा से भेंट हो गई। बातों-बातों में वेणी बोली,

"कानों में तो बड़े सुंदर झाले पहने हैं सुरेखा तुमने! पुराना सोना जान पड़ता है।"

"हाँ ! ये मेरी मम्मी ने दिए थे।"

"बहुओं से भर-भर के दहेज लिया और बेटी को देते अंटी न खुली !"

"ऐसा क्यों कहती हैं आंटी जी ? क्या कमी रखी है हमने? क्या नहीं दिया जो अब तक माँगती हैं ?"

सुरेखा की बात सुन वेणी तिलमिला उठी।

"हम ही क्यों बनवाएं उसके लिए जब मायके वाले इतना भी न दे सके ? अपनी बेटियों को मैंने दो-दो जोड़ी बुँदे, झुमकियाँ बनवा कर दी थीं !"

"क्या बात करती हैं? तोला भर सोने की झुमकियाँ बनवा कर दी थीं हमने विदाई में। दीप्ति दीदी ने बताया नहीं आपको ?"

"तोले भर सोने की झुमकियाँ ?"

सास के गुस्से का कोई पारा न रहा। घर आकर इतनी ऊँची आवाज में कलह किया कि पड़ोसी अपने-अपने फ्लैट्स के दरवाज़े खोलकर बाहर आ गए। ससुर रोकते जाते थे, बेटा रोकता जाता था लेकिन सास की आवाज़ आसमान तक बुलन्ध थी। लेकिन बहू एक चुप, हजार चुप !

'योगेश, अब या तो तेरी बहू उन तोले भर सोने की झुमकियों का हिसाब दे या निकल जाए इस घर से !"

"बताती क्यों नहीं, कहाँ हैं झुमकियाँ?" जब पति ही मारने को आगे बढ़ा तो दीप्ति ने मरी-मरी सी आवाज में कहा,

"खो गईं।"

"खो गईं ? तोले भर सोने की झुमकियाँ खो गईं? कैसे खो गईं ? क्या अपने पापा को दे आईं?"

योगेश मारता उसे अगर बीच में ससुर न आ गए होते। सास का गुस्सा महीनों शांत न हुआ। ननदें फोन करतीं तो वो बहू को सुना-सुना कर हज़ार बातें सुना देती उसके मायके वालों को।

दीप्ति से खूब काम लिया जाता। घर के कामों से फारिग होती तो बाहर के कामों की सूची तैयार रहती। जब से शादी हुई, घर में योगेश ने इधर की सींक उठाकर उधर न रखी थी। दीप्ति ही बाजार, सौदा-सुलफ सब करती। कभी पलंबर को बुलाती, कभी कबाड़ी को रद्दी तुलाती।

लेकिन इस सब के बीच, उसके मन में पढ़ाई की लगन लगी रहती। सास वेणी देखती और कुढ़ती। एक रात सास की नींद खुली तो देखा ड्राइंग रूम की बत्ती जल रही है। रात के ग्यारह बजे थे। बहू हॉल में दीवान पर बैठी कुछ लिख रही थी।

"अरे ! अब तक जागती हो ? सवेरे फिर योगेश का टिफिन बनाने में आलस करोगी। जाओ सो जाओ।"

"नहीं। मैं बना दूँगी सब समय पर।"

"लाइट बंद करो और जाओ। इधर की बत्ती जलती है तो मुझे अपने कमरे में नींद नहीं आती।"

"लेकिन, मैं तो हमेशा यहीं पढ़ती हूँ; अभी तक तो आपने कभी नहीं कहा ऐसा !"

"तो अब कह रही हूँ, ये बत्ती न जलाया करो।"

"तो रात को मैं कहाँ पढ़ूँ ? कमरे में टेबल लैम्प से भी इनकी नींद में खलल पड़ता है।"

बहू अपने आप से कहती चली गई और रसोई में बत्ती जलाकर फिर लिखने लगी। उस दिन से दीप्ति ने हॉल या रसोई में पढ़ना बंद कर दिया। फ्लैट में हॉल के अलावा दो ही तो कमरे थे। अब कहाँ पढ़े ? वो रात को बाथरूम में बैठकर नोट्स बनाती; और दिन में किताब खोले घर के कामकाज के बीच कुछ-कुछ याद करती रहती। कभी कलाई पर, कभी हथेली पर, कुछ उतार लेती और मन में दोहराया करती। बी.एड. के साथ-ही-साथ वो शिक्षक पात्रता परीक्षा की भी तैयारी कर रही है। सोचती, बी.एड. कर लेगी और अगले ही साल शिक्षक पात्रता परीक्षा भी पास कर लेगी तो सरकारी शिक्षक की नौकरी करने के योग्य हो जाएगी। छह महीने बाद,तीसरे सेमिस्टर की परीक्षा का रिजल्ट आया जिसमें दीप्ति ने अपने कॉलेज में दूसरा स्थान प्राप्त किया। गर्भवती हो गई थी तो भी स्कूटी चलाकर कॉलेज जाती रहती। गर्भावस्था के पूरे दिन चल रहे हैं; और बी.एड. अंतिम वर्ष के फाइनल सेमिस्टर की परीक्षाएं भी। हर दिन मनाती है, बस परीक्षा पूरी हो जाए तब डिलीवरी हो ! लेकिन ...जो भाग्य बदलने निकलते हैं, उन्हें सबसे पहले अपनेआप से लड़ना पड़ता है !

रात से हल्का-हल्का दर्द हो रहा था लेकिन वो सब कामकाज करती रही और साथ में किताब भी खोले रही। कल तीन बजे उसका आखिरी पर्चा है। लेकिन सुबह होते-न-होते दर्द की लहर काबू से बाहर हो गई। सास के साथ ऑटो से वो सरकारी अस्पताल पहुंची और आधे ही घंटे में उसकी डिलीवरी हो गई।

आगे एक घंटा तो दिमाग कुछ न जानता था। तंद्रा-सी थी। बस अपनी बेटी को सीने से चिपटाए आँखें बंद किए पड़ी रही। घंटे भर बाद, उसकी आँखें आधी खुलीं। सामने दीवार घड़ी दोपहर के बारह बजा रही है।

"मेरा पेपर है तीन बजे !"

"अब काये का पेपर ? अब इस लड़की को सम्हालो ! मैं घर जा रही हूँ; गुड़ बनाकर लाती हूँ। घर का खाना भी बनाना है। रात तक आ जाऊँगी या योगेश आ जाएगा सोने यहाँ। कल अपने मायके से बुला लो किसी को। अकेले मुझसे नहीं करते बनेगा सब।"और सास फोन लगाती हुई बाहर निकल गई।

"हाँ चंचल ! तुम बुआ बन गयीं! और क्या होना था! मैं तो पहले ही कहती थी, लड़की ही जनेगी!"

जाती हुई सास की बात दीप्ति के कानों में पड़ती है। वो सुनी-अनसुनी कर देती है। पति योगेश को किसी ने बताया है अथवा नहीं, दीप्ति को नहीं पता। उसने बेटी को निहारा, फिर घड़ी देखी।

-परीक्षा देनी है !

प्रसूता पुकारती है, "कोई है?"

कोई नहीं सुनता। उसने फिर अपनी ताकत जुटाकर पुकारा है, "कोई मदद कर दो !"

भाग्य द्वार तक आया, लेकिन भीतर नहीं। एक नर्स झाँककर पूछती है, "क्या बात है ? तुम्हारे साथ कोई नहीं? क्या कुछ खाने को चाहिए?"

"मेरा बी.एड. का पेपर है तीन बजे से। क्या गाड़ी मिल जायेगी एग्जाम सेंटर तक जाने के लिए ?"

नर्स अवाक उसे देखती रह गई। हज़ारों जचगी इस अस्पताल में देखीं-करवाईं, ऐसी जनानी नहीं देखी !

वो निवेदन दोहराती है; नर्स क्या कहे !

"मैडम से पूछकर बताती हूँ।"

और नर्स डॉक्टर के सामने है।

"बिल्कुल नहीं! अभी घंटे भर पहले ही डिलेवरी हुई है। अब 24 घंटे तो बिस्तर से उठने की अनुमति नहीं दे सकते !"

नई डॉक्टर अपने कागज़ों में उलझी, उत्तर देकर इस बात को भूल जाती लेकिन ... कोई है जो लड़ रहा है भाग्य से ! ... भाग्य विधाता से !

"मैडम जी प्लीज !" सामने एक अधमरी-सी आवाज़ है।

डॉक्टर नज़र उठाकर देखती है।

"मेरा पेपर है बी.एड. का। फिर नहीं कर पाऊँगी। न फिर फीस भर पाऊँगी। प्लीज मुझे एग्जाम सेंटर तक पहुँचा दीजिए।"

दरवाज़े से टिकी सद्य प्रसूता अपनी नवजात को लिए किसी तरह खड़ी है। या तो वो खुद ही गिर जाने वाली है या उसकी गोद से नवजात खिसकी जाती है।

उसकी गंभीर हालत देख डॉक्टर चिल्लाती है, "तुम पागल हो क्या!"

जच्चा-बच्चा को वापस बेड तक पहुँचाया गया। बड़े डॉक्टर साहब से बात की गई। गाड़ी तो अस्पताल में कोई मौजूद थी नहीं। एक गाड़ी बाहर गई हुई है। समय रहते लौट आई तो कुछ हो सकता है। नई डॉक्टर मदद के लिए दूसरे अस्पताल फोन लगा रही है। गाड़ी की व्यवस्था होते-होते दो घंटे निकल गए। अस्पताल से एग्जाम सेंटर 35 किलोमीटर दूर है। गाड़ी में जच्चा-बच्चा को लिटाया गया और नर्स क्योंकि वैसे ही स्टाफ में कम हैं, वर्क लोड बहुत ज़्यादा। एक सफाईकर्मी दीदी को साथ कर दिया गया। वे चलीं तो नई डॉक्टर पीछे से देखती, अपने मित्र ट्रेनी डॉक्टर को फोन करती कहती है, "अभी पता है क्या हुआ ?"

... किसी की मदद कर, वो इस पल अपनी ही नज़रों में हीरो है !

एग्जाम सेंटर तक वे पहुँची हैं और सहायिका दीदी को नवजात दे, किसी तरह दीप्ति एग्जाम सेंटर के अंदर तक पहुँचती है। परीक्षा चालू हो चुकी है। सैकड़ों परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। उसे देख चलते पेन रुक-रुक जा रहे हैं।

"सर! मैडम ! मेरे पास प्रवेश पत्र नहीं है लेकिन मुझे अपना रोल नंबर याद है। और आप तो मेरे पिछले पेपर में भी ड्यूटी पर थीं। प्लीज मुझे पेपर देने दीजिए। क्या मैं बहुत लेट हो गई हूँ ?"

वो पन्द्रह मिनट लेट हो चुकी है लेकिन उसे परीक्षा हॉल में प्रवेश करने दिया गया। उत्तर पुस्तिका और प्रश्न पत्र दिया गया। वो खड़े-खड़े ही किसी तरह उत्तर पुस्तिका पर लिखना शुरू करती है।

"बैठ कर लिख लो।" परीक्षक मैडम उससे कहती हैं।

"बैठ नहीं पाऊँगी। चार घंटे पहले डिलीवरी हुई है।"

"तो क्यों आईं परीक्षा देने ऐसे हाल में ? अपनी और इसकी जान को खतरे में डाल कर ?"

"जेवर बेचकर फीस भरी थी; छूट जाती पढ़ाई तो फिर नहीं कर पाती।"

परीक्षक उसे दो पल को देखती रहीं फिर केंद्र अध्यक्ष के कक्ष की ओर तेज़ कदमों से चली गईं। केंद्र अध्यक्ष ने सुना तो सन्नाटे में आ गए। कोई नरम बिस्तर या आरामदायक खटिया तो नहीं थी लेकिन एक तख्त का इंतजाम कर दिया गया, एक खाली पड़े कक्ष में।

आधे घंटे बाद, अपनी उत्तर पुस्तिका, प्रश्न पत्र, सहायिका और नवजात के साथ सद्य प्रसूता को उस कक्ष में तख्त तक पहुंचा दिया गया।

कोई तकिया नहीं। एक परीक्षक ने अपना पर्स दे दिया है जिसे सिरहाने लगाए, सद्य प्रसूता उत्तर पुस्तिका लिखने में लीन है। बीच-बीच में एग्जाम सेंटर के अन्य परीक्षक आ–आकर उसे देख जा रहे हैं। चार घंटे की डिलीवरी में एक परीक्षार्थी पेपर देने आई है !

बीच में, नवजात रोती है और माँ लिखना रोककर उसे स्तनपान कराती है। सद्य प्रसूता माँ फिर पेपर लिखने लगी है। अब हिम्मत टूट रही है; माँ बीच-बीच में अपनी बेटी की ओर देखती जाती है। सहायिका दीदी की गोद में वो सो रही है। अंतिम-अंतिम उत्तर दीप्ति पूरे कर रही है। परीक्षक कह रही हैं कि वह कॉपी दे दे, समय पूरा हो रहा है। वो उत्तर लिख रही है। उसे अब नींद आ रही है। (समाप्त)

लघुकथा | विकास यशकीर्ति

पांचवां बेटा

दौलत राम। तुम्हारे चार चार बेटे होते हुए भी आज ये नौबत आ गई कि तुम्हें अपना पुश्तैनी मकान गिरवी रखना पड़ रहा है।' सेठ हजारी प्रसाद दौलत राम के सामने प्रेनोट रखते हुए बोला। 'और सुना है - परदेस में अच्छा कमा रहे हैं।' चश्मे को नाक की नोंक पर रखकर हज़ारी प्रसाद ने दौलत राम को नंगी आंखों से घूरते हुए अपना व्यंग्य बाण चलाया। 'क्या करें, सेठ जी। सब के अपने अपने खर्चे हैं, अपनी अपनी जिम्मेवारियां हैं।' जग हंसाई से बचने के लिए अपने नालायक बेटों की छोटी-मोटी वकालत दौलतराम खुद ही कर लिया करता था। दौलत राम ने प्रनोट पर साइन करने के लिए जैसे ही पेन उठाया, उसके फोन पर एक मैसेज चमका ' रुपे फाइव लैक्स इन यूअर अकाउंट' दौलत राम फ़ोन में आए इस मैसेज की गहराई को परत दर परत खोलने लगा। तभी एक टेक्स्ट मैसेज और फ्लैश हुआ।

' क्या सिर्फ कहने के लिए बेटा कहते थे, पापा ?'

इस बार दौलतराम ने देखा, मैसेज नेहा बिटिया का था जिसके दो साल पहले उसने हाथ पीले कर दिए थे। दौलतराम हैरानी के साथ फोन को निःशब्द होकर देखता रहा। 'किसका मैसेज है दौलत राम ?' हजारी प्रसाद ने दौलत राम की तंद्रा भंग की। दौलत राम की आंखों में नमी थी। 'कौन है ? ' सेठ फिर चिल्लाया। 'पांचवा बेटा' सिर्फ ये दो शब्द बोलकर दौलतराम कांपता हुआ उठा और प्रनोट वापस हजारीप्रसाद को देकर आंखे पौंछता हुआ बाहर चला गया।

कविता | पं. कमल कांत भारद्वाज

ज़माने की कशमकश

मुझे लगता है ज़माने की कशमकश में
मैं अकेला तो नहीं हूँ
इस कशमकश में कल कोई और था
आने वाले कल में कोई और होगा
ज़माने की कशमकश में
मैं अकेला तो नहीं हूँ

जो दिखता है ख़ुश ज़िंदगी में
क्या पता, वो भी परेशान हो ज़िंदगी में
मुझे मेरे ही ग़म लगते हैं ज़्यादा
क्या पता, नहीं दिख रहे
उसके ग़म हो मुझसे भी ज़्यादा

दर-ब-दर भटकता रहा मैं
हर एक कदम पे ख़ुद से लड़ता रहा मैं
एक नई उम्मीद की तलाश में
अपनों से दूर चला गया मैं
ज़माने की इस काशमकश में

जीवन है ही संघर्षों का मेला
सब लगे हैं ज़िंदगी की कशमकश में
आज मैं हूँ, कल तुम
फिर कोई और होगा
ज़माने की इस कशमकश में
मुझे लगता है मैं अकेला तो नहीं हूँ
जमाने की इस कशमकश में

कविता | प्रज्ञा गांधी

वो लड़की

परियों जैसी है वो लड़की
भोली और शैतान बड़ी
समझदार भी है कितनी
और कितनी नादान भी
उसकी आंखें देखी मैंने
आंखों से बातें करती है
कितनी प्यारी लगती है
जब हिरण सी चलती है
सुनहरी जुल्फें हैं उसकी
प्यारी प्यारी बातें हैं उसकी
कितनी मासूम है वो
और हजारों उसकी शरारतें हैं
छोटी छोटी बातों पर भी
वो खुश हो जाती है
छोटी छोटी बातों पर ही
आंसू भी वो भरती है
पर, सपने हैं उसके बड़े
आसमां में उड़ना चाहती है
स्वाभिमान के लिए
आत्मसम्मान के लिए
और कुछ कर गुजर जाने के लिए
जिद बड़ी है उसकी
बाती बनकर जलने की
रोशनी फैलाने की
परियों जैसी वो लड़की
भोली और शैतान भी

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

वरिष्ठ साहित्यकार एवं लेखक नीरु मित्तल का मानना है कि आज के आधुनिक युग में भी साहित्य गतिशील है और गद्य हो या पद्य, दोनों विधाओं में ही नवीन शैलियों का विकास हो रहा है। लघुकथा, लघुकविता, नवगीत जैसी विधाएं अपने उत्कर्ष की ओर अग्रसर हैं। छायावाद से आगे हम प्रयोगवाद पर आ गए हैं। साहित्य पर सामाजिक, राजनीतिक चेतनाओं का गहरा प्रभाव पड़ा है।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

साहित्य और समाज एक-दूसरे के बिना अधूरे: डॉ. नीरू मित्तल

सा हित्य के क्षेत्र में कविता, गजल, कहानी, व्यंग्य, लघुकथा, लेख निबंध, समीक्षा जैसी विधाओं का मानवीय एवं सामाजिक सरोकार के लिए काफी महत्व है। इन्हीं मूल्यों को लेकर साहित्यकार एवं लेखक साहित्य सृजन करने में जुटे हैं, जिसमें लेखकों का मकसद समाज को नई दिशा और सकारात्मक विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए अपनी संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं जुड़े रहने का संदेश देना है। लेखिका एवं साहित्यकार डॉ. नीरू मित्तल अपनी ऐसी ही लेखन विधाओं के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति के संवर्धन एवं सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य साधना करती आ रही हैं। अपने साहित्यिक सफर को लेकर डॉ. नीरू मित्तल 'नीर' ने कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया, जिसमें समाज और साहित्य एक दूसरे के बिना जीवंत नहीं रह सकते।

वरिष्ठ महिला साहित्यकार डॉ. नीरू मित्तल का जन्म 26 जून 1958 को अजमेर (राजस्थान) में हरिश चन्द्र गुप्ता और दम्यंती देवी गुप्ता के घर में हुआ। परिवार में कोई भी साहित्य माहौल नहीं था लेकिन उन्हें बचपन में ही तुकबंदियां करते हुए कुछ न कुछ लिखने में अभिरुचि हुई। स्कूल में भी वे कविताएं सुनाती और उनकी लिखी कविताएं स्कूल और कॉलेज की मैगजीन में प्रकाशित होने लगी, तो उनके पिताजी ने बहुत प्रोत्साहित करना शुरु कर दिया। उनके लेखन की शुरुआत कविताओं से हुई, लेकिन वह जल्द ही कहानियां भी लिखने लगी। जब वह कॉलेज में पढ़ रही थी, तो उनकी रचनाएं आकाशवाणी पर प्रसारित होने लगी और पिता अजमेर से रिकार्डिंग के लिए आकाशवाणी केंद्र जयपुर ले जाते थे। बकौल डॉ. नीरू मित्तल, साल 1981 में उनकी जयपुर में बैंक ऑफ बडौदा में नौकरी लग गई। इसके बाद साल 1984 में उनका विवाह हरियाणा के पंचकूला में हुआ। इस वजह से उन्होंने अपना स्थानांतरण पंचकूला की बैंक शाखा में करा लिया और यहीं से वह सेवानिवृत्त हुई। हालांकि शादी के बाद वह अपनी बैंकिंग की नौकरी, परिवार और बच्चों में अत्यधिक व्यस्त हो गई और लेखन बहुत सीमित रह गया। लेकिन इस दौरान भी वह नराकास के कार्यक्रमों में भाग लेती रही और पुरस्कार जीतती रही। बच्चे जब कॉलेज में चले गए और उन्हें कुछ समय मिलने लगा तो साहित्य के प्रति लगाव पुनः जागृत हो गया और उन्होंने हरियाणवी संस्कृति के संवर्धन एवं सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य सृजन को नई दिशा दी। उनकी रचनाओं का फोकस मुख्य रूप से समाज में व्याप्त विडंबनाओं, कुंठाओं बेबसी, आक्रोश, अनेक विषमताएं और लोगों की जिजीविषा जैसे सामाजिक सरोकार के मुद्दे और समस्याओं पर रहा है, इन्हीं पर उनकी कलम सक्रिय रही, जिसमें नारी विमर्श भी उनके लेखन में स्वतः ही झांकने लगा। बकौल नीरु मित्तल, साहित्य के अलावा उन्हें गायन और नृत्य का भी शौक रहा है। वह अपने हम उम्र साथियों के लिए नृत्य कोरियोग्राफ भी करती हैं। जहां वे कहानी, लघुकथा, लेख निबंध, कविता, साक्षात्कार, समीक्षा, व्यंग्य, यात्रा संस्मरण, समीक्षा और साक्षात्कार ज जैसी विधाओं में साहित्य संवर्धन करने में जुटी हैं, वहीं वह योगा शिक्षिका भी रही और सामाजिक गतिविधियों में भी वे बढ़ चढ़कर हिस्सा लेती हैं। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित कवि सम्मेलनों में काव्य पाठ भी किये हैं।

उन्हें देश के वरिष्ठ साहित्यकारों व रचनाकारों का सानिध्य मिला है। उनकी रचनाएं देश ही नहीं विदेश के पत्र-पत्रिकाओं में भी प्रकाशित होती रही हैं। चंडीगढ़ दूरदर्शन केंद्र और आकाशवाणी केंद्र जयपुर से समय-समय पर उनकी कविताओं व रचनाओं का प्रसारण तो हो ही रहा है, वहीं रेडियो 'अपना विनीपेग' कनाडा और 'जस टीवी' कनाडा पर भी उनके साहित्यिक काव्य पाठ कार्यक्रम और साक्षात्कार प्रस्तुत हुए हैं। कई विदेशी मंचों जैसे 'रूट्स टू हिंदी काव्यांजलि' शिकागो, 'निर्मल रोशन मंच' न्यूयॉर्क, 'महिला काव्य मंच' इंडोनेशिया पर भी वे अपनी कविताएं प्रस्तुत कर चुकी हैं। यहाँ वह यह बात अवश्य कहना चाहती हैं कि विदेश में बैठे भारतीय अपनी संस्कृति, अपनी भाषा और अपने देश से कहीं गहराई से जुड़े हुए हैं। वह उनकी निष्ठा और समर्पण को नमन करती हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डॉ. नीरू मित्तल की प्रकाशित पुस्तकों में काव्य संग्रह-अनकहे शब्द, शब्दों की परछाइयाँ, चट्टान पर खिले फूल, पंचतत्त्व और मैं, कहानी संग्रह-रिश्तों की डोर, कोहरे से झाँकती धूप, लघुकथा संग्रह-तिनका तिनका मन, प्रतिबिम्बों की अनंत यात्रा, बाल साहित्य-मेरे वर्णमाला गीत, छू लो आसमान प्रमुख रूप से पाठकों के सामने हैं। उन्होंने खुशियाँ लौटेंगी, सुनहरी यादों के झरोखों से नामक पुस्तकों का संपादन भी किया। वहीं पंजाबी रचनाओं का अन्य भाषाओं में अनुवाद भी किया है।

डॉ. नीरू मित्तल

पुरस्कार व सम्मान

लेखिका डॉ. नीरू मित्तल को हरियाणा साहित्य गौरव सम्मान, बाल सहित्य सम्मान, डॉ कैलाश अहलूवालिया स्मृति सम्मान पुरस्कार, डॉ. श्यामसुंदर व्यास स्मृति सम्मान, काव्य मंजरी वागीश्वरी सम्मान, काव्य मंजरी वागीश्वरी सम्मान, काव्य शिरोमणि सम्मान, स्मृति साहित्य सम्मान, संस्कृति संवाहक पुरस्कार, शब्द निष्ठा सम्मान, लघुकथा सेवी सम्मान, साहित्य सारथी सम्मान और मां भारती साहित्य के सम्मान जैसे अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. नीरू मित्तल 'नीर'
जन्मतिथि : 26 जून 1958
जन्म स्थान : अजमेर(राजस्थान)
वर्तमान निवास : पंचकूला (हरियाणा)
शिक्षा : एम. कॉम, सी.ए.आई.आई.बी
संप्रति : बैंकिंग सेवा से निवृत, साहित्यकार, कथाकार, कवयित्री, योग शिक्षिका

सामाजिक उपयोगिता का कविता संग्रह 'मैं पेड़ हूँ'

पुस्तक : मैं पेड़ हूं
लेखिका : अर्चना कोचर
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : इंडिया नेट बुक, नोएडा

पुस्तक समीक्षा | डॉ. ज्ञानप्रकाश 'पीयूष'

सा हित्य लेखन एवं समाज सेवा में संलग्न, अनेक साहित्यिक संस्थाओं से सम्मानित, सुप्रतिष्ठित साहित्यकार अर्चना कोचर किसी परिचय की मोहताज नहीं।

' मैं पेड़ हूँ' लघुकविता-संग्रह इनकी सद्य प्रकाशित पुस्तक है, जो भाव सौंदर्य एवं शिल्प सौष्ठव की दृष्टि से बहुत प्रभावशाली है। यह पुस्तक विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों को आधार बनाकर दस-दस पंक्तियों के मुक्त छंद में सृजित की गई हैं तथा उनके औषधीय गुणों, सामाजिक उपयोगिता एवं पौराणिक उपादेयता को दृष्टिगत रखते हुए प्रांजल भाषा में व्यंजित की गई हैं। रुद्राक्ष, पीपल,कदम्ब, अशोक बरगद, अक्षय वट के साथ चंदन, देवदार, चीड़,नीम, सागवान,पलाश, अमलतास गुलमोहर, शीशम, सफेदा, बबूल, आदि छायादार एवं सहजता से उपलब्ध पेड़ों के महत्व को भी प्रतिपादित किया गया है तथा आँवला, आम अनार,अमरुद, सेब,जामुन, नारियल, अंजीर,सुपारी, जायफल, नींबू, केला, बादाम, अखरोट, काजू ,खुबानी, पिस्ता, चिलगोजा, आलू बुखारा, आदि फलदार वृक्षों पर भी सारगर्भित लघुकविताओं का सृजन किया गया है जो अत्यंत श्लाघनीय है। ये कवयित्री के अद्भुत रचना कौशल, साहस, परिश्रम एवं जुनून को प्रतिपादित करता है। इनके अतिरिक्त मखाना, पान बनारस वाला, आल स्पाइस,केसर, तुलसी,आक, शमी, सप्तपर्णी, लता मंजरी जैसे अनेक पेड़-पौधों को भी कलमबद्ध किया गया है जो कवयित्री की आन्तरिक प्रतिभा,अध्यवसाय, एवं सृजन क्षमता को रेखांकित करती हैं। 'नारियल का पेड़' लघु कविता एक बिम्बात्मक चित्र द्रष्टव्य है- खाने को फल, तंदुरुस्ती के लिए पानी/ दूध-मलाई की, कल्पवृक्ष ने लिखी कहानी/ सुख समृद्धि में, श्री हरि विष्णु, लक्ष्मी का कृपानिधानी/ त्रिदेव के त्रिनयन, श्रीफल की इष्ट अर्पण बानी है/ पवित्र कलश में विराजित/ मंगल कार्यों में श्रीगणेश/ हवन की पूर्णाहुति, नवरात्र, कन्या पूजन में विशेष/ जन्म पूजन में नारियल, कफन में चढ़ता यह विनेश है /नारियल का तेल केश निखार/त्वचा की मसाज है/ ताड़- शराब, कठोर खोल,चारकोल/ इसका अंग-अंग कीमती/ लोगों का इलाज है। इसकी भाषा अत्यंत सरल एवं शैली सरस व सारगर्भित है। यह कृति हर दृष्टि से उपादेय है और अर्चना कोचर की सकारात्मक सोच एवं आशावादी दृष्टिकोण की परिचायक है। उत्कृष्ट कृति के लिए कवयित्री को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

खबर संक्षेप

गोहाना। बाबू जगजीवन राम की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते नागरिक।

बाबू जगजीवन राम को पुण्यतिथि पर किया याद

गोहाना। रविवार को शहर के समता चौक में बाबू जगजीवन राम की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। समारोह में नागरिकों ने बाबू जगजीवन राम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके नमन किया।

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष जगशेर नूरनखेड़ा ने कहा कि बाबू जगजीवन राम सामाजिक न्याय के अग्रदूत थे। वह देश के उप प्रधानमंत्री भी रहे। वरिष्ठ दलित नेता रामु रामपाल वाल्मीकि और अशोक बामनिया ने कहा कि बाबू जगजीवन राम का देश को आजाद करवाने में भी अहम योगदान रहा। उन्होंने हमेशा अपनी जिम्मेवारी का ईमानदारी से निवर्हन करते हुए देश व लोगों की भलाई के लिए काम किया। हमें ऐसे महापुरुषों के योगदान को हमेशा याद रखना चाहिए।

शिविर में 57 यूनिट रक्त किया एकत्रित

रोहतक। आपके साथ एक नई शुरूआत संस्था द्वारा आपातकालीन रक्तदान पैनल के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान उत्सव का आयोजन सुनारियां चौक में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि गौरव मित्तल प्रधान, घड़ी एसोसिएशन हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल, अध्क्षता अजय धनखड़ मूक प्राणी सेवक रहे। आमंत्रित महिला विशिष्ट अतिथि सुमन देवी, नगर पार्षद वार्ड नं.22, अनुष्का, मिस हरियाणा क्लीन 2025 एवं मिस इंडिया यूनिवर्सल हरियाणा 2019, डॉ. राजेश फार्मेसी अधिकारी एवं अनिता बुधवार जिला सचिव, भाजपा रोहतक रही। गौरव मित्तल ने कहा कि गर्मी के बावजूद रक्तदाताओं में जोश प्रशंसनीय रहा। रक्तदाता ही सच्चा जन सेवक है। अजय धनखड़ ने कहा कि सुनारियां चौक पर रक्तदानियों ने मिसाल कायम की। रोहतक में रक्तदाताओं की संख्या बढ़ी है।

सोनीपत पुलिस ने चलाया नाइट डोमिनेशन ऑपरेशन

अपराधियों पर नकेल : तस्कर- इनामी और बेल जंपर सहित छह गिरफ्तार

स्मैक तस्कर और हत्या में हथियार सप्लाई करने वाला इनामी आरोपित भी चढ़ा हत्थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत पुलिस ने शनिवार रात से रविवार सुबह तक पूरे जिले में 'नाइट डोमिनेशन अभियान' चलाया। इस अभियान का मकसद रात के अंधेरे में सक्रिय असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसना और शहर की सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता करना था। इस विशेष अभियान में जिले की 90 प्रतिशत पुलिस फोर्स तैनात रही। पुलिस ने 1615 वाहनों की चेकिंग की, जिनमें से 57 के चालान काटे गए और 21 वाहन जब्त किए गए। अभियान के दौरान एक मादक पदार्थ तस्कर, एक पांच हजार रुपये का इनामी बदमाश, एक वाहन चोर और चार बेल जम्पर गिरफ्तार किए गए।

पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने बताया कि नाइट डोमिनेशन जैसे ऑपरेशन अपराधियों में भय बनाए रखने और शहर को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान आगे भी समय-समय पर चलता रहेगा। पुलिस उपायुक्त (क्राइम) नरेंद्र कादियान ने बताया कि यह अभियान शहर की सुरक्षा को लेकर विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। इस दौरान असामाजिक तत्वों में भय पैदा करने के लिए होटल, धर्मशालाओं, सार्वजनिक स्थानों और सड़कों पर सघन चेकिंग की गई।

सोनीपत। पुलिस गिरफ्त में इनामी बदमाश गौरव।

सोनीपत। स्मैक के साथ गिरफ्तार आरोपित आशीष।

18.07 ग्राम चिट्टा सहित एक गिरफ्तार

क्राइम यूनिट पश्चिम की टीम ने मादक पदार्थ तस्करी के मामले में आशीष उर्फ आशु पुत्र आनंद कुमार निवासी कैलाश कॉलोनी, शादीपुर रोड, सोनीपत को गिरफ्तार किया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि वह शादीपुर चौपाल के पार्क में स्मैक बेचने की फिराक में है। टीम ने जब मौके पर दबिश दी, तो आरोपित भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने उसे दबोच लिया और तलाशी के दौरान उसकी जींस की जेब से 18.07 ग्राम स्मैक बरामद की गई। आरोपित के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत थाना सिविल लाइन में केस दर्ज किया गया और उसे कोर्ट में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया गया।

पुलिस का नाइट डोमिनेशन एक नजर में

गिरफ्तार आरोपित	6
इनामी बदमाश	1
बेल जम्पर	4
वाहन चेकिंग	1615
चालान	57
जब्त वाहनः	21
मुकदमे दर्ज	2

हत्या के केस में ईनामी आरोपी गिरफ्तार

क्राइम यूनिट वेस्ट ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 हजार रुपये के इनामी बदमाश गौरव पुत्र दर्शन सिंह निवासी मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार किया। गौरव पर आरोप है कि उसने 8 अक्टूबर 2023 को सोनीपत के गांव नांगल कलां निवासी विशाल की गोली मारकर हत्या करने वाले आरोपितों को हथियार मुहैया कराए थे। इस केस में पुलिस पहले ही चार आरोपितों ओमसागर (पानीपत), राकेश उर्फ काकू, रितिक और संजय उर्फ गोलू (सोनीपत) को गिरफ्तार कर चुकी है। गौरव को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

शिविर के दौरान रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाते विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी।

156 मरीजों ने लिया स्वास्थ्य लाभ, 18 ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सेफ इंडिया फाउंडेशन, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन जिला सोनीपत इकाई, महिला व युवा जिला इकाई, श्री श्याम बाला जी सेवा मंडल, रोटरी क्लब ऑफ़ सोनीपत एक्सीलेंस, सशक्त महिला संगठन, कृष्णा देवी श्याम मिष्ठान भण्डार द्वारा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल मुरथल अड्डा सोनीपत में आयोजित 28वें मेगा स्वास्थ्य जांच कैंप का 156 मरीजों ने लाभ लिया। डॉ. कलिका वेश, डॉ. श्रेय अखिल, डॉ. रमेश, डॉ. प्रवेश मुदगिल, डॉ. शीतल, डॉ. अभिमन्यु कुमार द्वारा 156 मरीजों के शुगर बीपी, ईसीजी व स्वास्थ्य जांच की गई। डॉ. वरुण शर्मा व डॉ. इरफ़ान द्वारा 41 मरीजों के दांतो का चेकअप किया गया। डॉ. राजेश सिंघल द्वारा 12 चर्मरोगियों की जांच की एवं डॉ. एसएन गुप्ता व राजेश गुप्ता द्वारा मरीजों को तीन दिन की दवाई मुफ्त में दी गई जो कि विकाश पासवान द्वारा बांटी गई। अनिपाल लाकड़ा ने सर्वाइकल का ईलाज किया। इस मौके पर सेफ इंडिया फाउंडेशन के प्रधान संजय सिंगला, चेयरमैन वाईके त्यागी, अनिल गुप्ता, एडवोकेट अरविन्द मित्तल, बलराज वशिष्ठ, प्रियांशु वशिष्ठ, बबीता जिंदल, हरि कौशिक, नरेश कंसल, राजेश, कीर्ति, शीतल, आरती, मुस्कान, नेहा, सतीश माथुर, प्रवीण वर्मा, सुभाष सिसोदिया, शालू त्यागी, कुंती गोयल, प्रवीण नैन, रेखा गुप्ता, शांति सोलंकी, वीना कुकरेजा, नीतू गोयल, विवेक गर्ग, अंकित जैन, दिनेश कुछल, देवेंद्र कुछल, मोहित गोयल, प्रवीण गोयल, प्रदीप उपाध्याय, मीनाक्षी भारद्वाज, सचिन, सत्यवान आदि मौजूद रहे।

देहदान, नेत्रदान व रक्तदान के प्रति छात्रों को जागरूक किया

- गोहाना की प्रथम देहदात्री भागवंती की स्मृति पर गोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

भागराम ट्रस्ट द्वारा रविवार को गोहाना की प्रथम देहदात्री भागवंती गगनेजा की स्मृति में उनकी 6वीं बरसी पर देहदान, नेत्रदान और रक्तदान विषय पर आयोजित गोष्ठी सम्पन्न हो गई। गोष्ठी गोहाना की पटेल बस्ती स्थित सरस्वती विद्या निकेतन विद्यालय में आयोजित हुई जिसमें विद्यार्थियों को देहदान, नेत्रदान और रक्तदान से जुडने के लिए प्रेरित किया गया।

मार्गदर्शन शशिकांत गोयल का रहा। मुख्य अतिथि सत्यानंद पब्लिक स्कूल की प्राचार्या सीमा श्योराण थीं। विशिष्ट अतिथि 159वीं बार के रक्तदाता राहुल गोयल और 31वीं बार की रक्तदाता नीतू नारंग रहे। संयुक्त अध्यक्षता दिव्यांशु गोयल और उषा गगनेजा ने की। मंच संचालन शिक्षक ज्योति ने किया। शिक्षक मीना, संगीता, ज्योति, सुमन, बेबी और यशपाल ने विषय पर भाषण की प्रस्तुति दी। विद्यार्थी विपल्लवी, खुशबू और यशस्वी ने रक्तदान पर कविता, शशि और गर्वित ने नेत्रदान पर कविता की प्रस्तुति दी। अतुल, रोनित, आर्यन, नव्य, वंश, विपुल, साक्षी, रोली, मुस्कान और केशव ने देहदान पर नाटक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में गरिमामयी उपस्थिति सुरेंद्र पांचाल, ज्योति बजाज, संगीता गोयल, वीरमोहन कपूर, रजत गगनेजा, निखिल गगनेजा, सागर सेतिया और वर्षा सेतिया की रही।

गोहाना। कार्यक्रम में अतिथिगणों के साथ प्रतिभागी विद्यार्थी। *फोटो :हरिभूमि*

पार्षद अपने दायित्व को बखूबी निभाएं : चेयरमैन

हीरालाल इंदौरा ने कार्यालय में पार्षदों के साथ बैठक का आयोजित की

- वार्ड की दी गई समस्याओं का जल्द से जल्द हल कराया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

नगर पालिका चेयरमैन हीरालाल इंदौरा ने अपने निजी कार्यालय में पार्षदों की एक बैठक का आयोजित की। पार्षदों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सभी पार्षद अपने वार्ड में जन स्वास्थ्य विभाग से संबंधित कोई भी समस्या है, तो वह उन्हें लिखकर दे दें। जिसमें नई पेयजल पाइपलाइन न बिछना, सीवरेज के कनेक्शन न होना, सीवर के ढक्कन टूटे होना व अन्य कार्य शामिल है। उन्होंने कहा कि पार्षदों द्वारा अपने-अपने वार्ड की दी गई समस्या को जल्द से जल्द हल कराया जाएगा। उन्होंने अपने शहर के प्रत्येक वार्ड की समस्या को जिला स्तर पर भेजना है। इसके अलावा गलियों का नवनिर्माण, गंदे पानी की निकासी को भी जल्द से जल्द से जल्द हल कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह शहर के लोगों ने उन पर विश्वास करके पार्षद चुना है। हमें भी उनकी समस्याओं को हल कराकर उनके विश्वास पर खरा उतरना चाहिए। उप चेयरमैन मुकेश सैनी ने कहा कि अभी तक पार्षदों के निवास स्थान पर उनके नाम के बोर्ड नहीं लगाए गए हैं। पूरे शहर में मच्छर काफी बढ़ गए हैं जिसके कारण बीमारी होने का अंदेशा बना हुआ है। इसलिए शहर के सभी वार्डों में फॉगिंग कराई जानी चाहिए। नवीन दहिया, अनिल उर्फ जोकर, गोपाल सैनी सहित अनेक पार्षद उपस्थित रहे।

खरखौदा। पार्षदों को संबोधित करते चेयरमैन हीरालाल इंदौरा। *फोटो :हरिभूमि*

डॉ. श्यामा प्रसाद के बताए पदचिन्हों पर चलकर मजबूत राष्ट्र निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

रविवार को भाजपा जिला गोहाना के कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी पुण्यतिथि पर याद किया। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी और उनके पदचिन्हों पर चलते हुए एक मजबूत राष्ट्र निर्माण की दिशा में काम करने का सामूहिक संकल्प लिया। भाजपा गोहाना जिला के अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के मंत्रिमंडल में उद्योग मंत्री थे। वर्ष 1950 में उन्होंने मंत्रीपद से इसलिए इस्तीफा दिया था कि एक देश में दो विधान दो निशान नहीं चलेंगे। डॉ. मुखर्जी ने 21अक्तूबर 1951 को भारतीय जनसंघ की स्थापना की। जिला प्रभारी डॉ. किरण कलकल ने कहा कि आज डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन मूल्यों को आत्मसात करने की जरूरत है। कार्यक्रम में डॉ. धर्मवीर नांदल, राजू विरमानी, बलराम कौशिक, महेंद्र चिड़ाना, भूपेंद्र मुदगिल, जस्सी खुराना, विपिन, ओमवीर वत्स, राममेहर राठी, एडवोकेट संत राम बाल्मिकी, अमित बाल्मिकी, प्रवीण कश्यप, प्रसन्नी मलिक, सत्यवती व कमलेश आदि उपस्थित रहे।

गोहाना। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते भाजपाई।

खरखौदा। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते भाजपाई।

डॉ. श्यामा प्रसाद को किया याद

खरखौदा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका चेयरमैन हीरालाल इंदौरा के नेतृत्व में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई। हीरालाल इंदौरा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्रखर राष्ट्रवादी, अद्वितीय विचारक, एकात्म राष्ट्रवाद के प्रेरणा स्त्रोत रहे है। उन्होंने जनसंघ की स्थापना करके राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को भारतीय राजनीति के केंद्र में स्थापित किया। जम्मू-कश्मीर को अखंड भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने के लिए उन्होंने अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनका त्याग, तप और राष्ट्र के प्रति समर्पित जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा-स्त्रोत बना रहेगा। कार्यकर्ताओं ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए गए। गुलशन ठेकेदार, रामनिवास खरखौदा, सुनील पांचाल, मंडल अध्यक्ष नरेश पाराशर , वॉइस चेयरमैन मुकेश सैनी, श्याम पाल सैनी, जयकंवार राणा, संदीप, राहुल रंगा व अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डॉ. मुखर्जी को पौधरोपण से नमन

शिव मंदिर के परिसर में पौधरोपण किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

रविवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर रोहतक रोड पर शिव मंदिर के परिसर में पौधारोपण किया गया। भाजपाइयों ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पद्चिहनों पर चलने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा गोहाना मंडल के अध्यक्ष भूपेन्द्र मुदगिल ने की। वे बोले कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रवाद की प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया। हमें ऐसे महापुरुष के पद्चिहनों पर चलते हुए राष्ट्र की मजबूती के लिए काम करना चाहिए। कार्यक्रम में मंडल महामंत्री प्रवीण कपूर, उपाध्यक्ष नरेश देवी, डॉ. बिजेंद्र खीची, अनीता जिंदल, हरि मोहन व राजू खन्ना उपस्थित रहे।

गोहाना। पौधरोपण करते मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र मुद्गिल व अन्य। *फोटो :हरिभूमि*

नशा विनाश का कारण : प्रदीप

- गांव रोहणा की चौपाल में कार्यक्रम किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

रविवार को नशा मुक्त अभियान के तहत गुरुकुल बरोणा द्वारा गांव रोहणा की चौपाल में कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हवन से शुरू की गई । कार्यक्रम का मुख्य प्रयोजन- समाज में बढ़ता नशा जिसके कारण अनेक परिवार नौजवान बर्बाद हो रहे हैं। इसके खिलाफ लोगों को जागरूक करके और समाज के लोगों को इससे बचाना है। हवन के पश्चात आचार्य प्रदीप ने बताया कि नशा मनुष्य के विनाश का कारण बनता है और इस नशे के कारण अनेकानेक परिवार बर्बाद भी हो चुके हैं। नशा मनुष्य की बुद्धि को नष्ट कर देता है। इसीलिए हम सभी को नशे से दूर रहकर सात्विक जीवन जीना चाहिए, ताकि हम राष्ट्र निर्माण में अपनी जिम्मेदारी को समझ सके और उसे पूरा कर सकें। कार्यक्रम में उपस्थित व्यक्तियों ने हवन में आहुति डालकर नशे से दूर रहने का संकल्प लिया और समाज के निर्माण में अपना योगदान देने का निर्णय लिया। आचार्य प्रदीप, वेदप्रकाश, मनीष आर्य, संजय, सुनील, जयसिंह, बस्तीराम, अनिल , सुमित, कृष्ण, नवीन मौजूद रहे।

खरखौदा। ग्रामीणों को संबोधित करते मनीष आर्य। *फोटो :हरिभूमि*

विधायक देवेंद्र कादियान ने रिबन काटकर शिविर का शुभारंभ किया

भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वस्थ रहना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

आचार्य सौरभ सागर महाराज और स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर रविवार को सीसीएएस जैन गर्ल्स कॉलेज परिसर में निशुल्क मेडिकल हेल्थ चेकअप शिविर लगाया गया। शिविर का आयोजन सोरभांचल चैरिटेबल ट्रस्ट, भाविप गन्नौर, जैन गर्ल्स कॉलेज और रोटरी क्लब ऑफ गन्नौर सेंट्रल के सहयोग से किया गया। विधायक देवेंद्र कादियान ने रिबन काटकर शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने करीब 528 लोगों की जांच की। उन्हें बेहतर जीवनशैली अपनाने के सुझाव भी दिए। शिविर में 17 दिव्यांगजनों को सहायक यंत्र और उपकरण वितरित किए गए। साथ ही स्वैच्छिक रक्तदान शिविर भी लगाया गया। इसमें महिलाओं सहित कई लोगों ने उत्साह से रक्तदान किया।

जैन गर्ल्स कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार ने अपने जन्मदिन पर 130वीं बार रक्तदान किया। सेहत टीम ने कुल 81 यूनिट रक्त एकत्र किया। विधायक देवेंद्र कादियान ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान किसी अनजान व्यक्ति से खून का रिश्ता जोड़ने जैसा है। हर स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वस्थ रहना जरूरी है। गंभीर रोग न हों, इसके लिए समय रहते डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए। इससे पहले शिविर में पहुंचने पर विधायक कादियान का बुके देकर स्वागत किया गया। उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर नपा चेयरमैन अरुण त्यागी, जैन कॉलेज प्रधान आनंद जैन, डायरेक्टर भूषण भाटिया, स्कूल वाइस प्रिंसिपल शालिनी जैन, कष्ट निवारण समिति सदस्य योगेश कौशिक, डॉ. अंशुल जैन, डॉ. दीपचंद गर्ग, डॉ. वरुण गोगिया, मेजर डॉ. सन्नी मक्कड़, डॉ. ए जैन, डॉ. तुषार राय, डॉ. श्रुति त्यागी और डॉ. शुभम त्यागी, अंकुर त्यागी, अमित बत्रा, राजकुमार अग्रवाल, अरुण गोस्वामी, विकास त्यागी, सन्दीप सिंघल, अंकित मल्होत्रा आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

मुरथल आश्रम में लगेगा 3 दिन भंडारा

सोनीपत। श्री राम कृष्ण साधना केंद्र मुरथल, सोनीपत में 8 जुलाई से 10 जुलाई तक तीन दिवसीय गुरु पूजा महोत्सव मनाया जाएगा। इस विषय में रविवार को केंद्र के संस्थापक एवं संचालक डॉ. दयानंद सरस्वती महाराज की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। संस्था के महासचिव राकेश शर्मा व संस्था के मीडिया प्रभारी संजय सिंगला ने बताया कि संस्था का तीन दिवसीय गुरू पूजा महोत्सव दिनांक 8, 9 तथा 10 जुलाई (मंगल, बुध तथा वीरवार) को बडे हर्षोलास से मनाया जाएगा। इस महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेगे। तीनो दिन भण्डार की व्यवस्था रहेगी।

समाज कल्याण संगठन के सदस्यों ने रोपे 42 पौधे

गोहाना। समाज कल्याण संगठन ने रविवार को गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के अपने अभियान के तहत 42 पौधे रोपे। पौधारोपण जींद, बरोदा और महम लिंक रोड के साथ फुटपाथ की खाली जगह में किया गया। संगठन की टीम ने पापड़ी, नीम, जंगली जलेबी और पीपल के पौधे रोपे। नवरोपित पौधों को ट्री गार्डों में संरक्षित किया गया। संगठन के सदस्यों ने पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई भी की। संगठन के इस अभियान में गांव वजीरपुरा निवासी अमरजीत यादव पुत्र ब्रह्मानंद यादव ने अपनी शादी की 7वीं सलगिरह पर पौधारोपण किया।

सेक्टर-1 पार्क में किया पौधरोपण

रोहतक। विषैली गैसों के बढ़ते प्रभाव एवं पर्यावरणीय असंतुलन की चिंताओं के मद्देनज़र भारत सरकार द्वारा प्रोत्साहित 'एक पौधा मां के नाम' अभियान के अंतर्गत भारत विकास परिषद्, सेक्टर शाखा द्वारा 'पर्यावरण सप्ताह' मनाया जा रहा है। इस आयोजन के अंतर्गत रविार को सेक्टर-1 स्थित सार्वजनिक पार्क में विविध प्रजातियों के फलदार, छायादार एवं सजावटी पौधों का रोपण किया गया। पौधरोपण के माध्यम से न केवल वायुमंडल को शुद्ध करने का संदेश दिया गया।

खरखौदा में वारदात, खेत में बैठे लोगों ने किया भंडाफोड़

हत्या कर शव खुर्दबुर्द करने की कोशिश बीच रास्ते में फंसी कार तो खुला राज

- मृतक की पहचान गांव चोलका निवासी रविंद्र के रूप में हुई, बाबा के भेष में आया हत्यारा
- ड्रेन किनारे मिली लाश, गाड़ी धक्का लगाने पहुंचे लोगों ने आरोपी को पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

ड्रेन नंबर 8 की कच्ची पटरी पर रविवार रात को एक सनसनीखेज वारदात सामने आई, जब एक व्यक्ति का शव संदिग्ध अवस्था में मिला। मौके पर एक सफेद रंग की कार भी कच्चे रास्ते में फंसी हुई पाई गई, जिसके पास ही शव पड़ा हुआ था।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, कार चालक ने हत्या के बाद शव को खुर्दबुर्द करने का प्रयास किया था। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। शव की पहचान गांव चोलका निवासी 55 वर्षीय रविंद्र के रूप में हुई है। मामले में खरखौदा निवासी सतनारायण को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपित ने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि किसी बात को लेकर रविंद्र के साथ उसका झगड़ा हुआ था, जिसके दौरान उसने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

सोनीपत। गिरफ्तार आरोपित सत्यनारायण के साथ पुलिस टीम।

आरोपित गिरफ्तार की जा रही जांच

पुलिस टीम ने आरोपित को हिरासत में लिया और एफएसएल टीम की मौजूदगी में शव की जांच करवाई। आरोपित ने हत्या की बात स्वीकार कर ली है और जल्द ही उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा। शव को पोस्टमार्टम के लिए सामान्य अस्पताल भिजवाया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रही है कि हत्या की वजह क्या रही, और कहीं यह मामला अकेले की साजिश तो नहीं।- प्रेम सिंह, थाना प्रभारी

कार से निकला संदिग्ध

वारदात का खुलासा विक्रम नामक व्यक्ति की सतर्कता से हुआ, जो ड्रेन नंबर 8 के पास की 6 एकड़ जमीन पर खेती करता है। रविवार रात करीब 9 बजे वह अपने साथियों जोगिंद्र, जितेंद्र और संदीप के साथ खेत के पास बनी कोठड़ी में चारपाई पर बैठा था। इसी दौरान उन्होंने देखा कि एक सफेद कार ड्रेन की कच्ची पटरी में फंसी हुई है। कार से एक बाबा जैसे कपड़े पहने व्यक्ति बाहर निकला और खुद को सतनारायण निवासी खरखौदा बताया। उसने गाड़ी को निकालने में मदद मांगी। जैसे ही विक्रम और उसके साथी गाड़ी को धक्का लगाने लगे, विक्रम का पैर अचानक एक चीज से टकराया। जब उन्होंने ध्यान से देखा तो वहां एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ था। शक होने पर उन्होंने सतनारायण को पकड़ लिया और तुरंत डायल 112 पर सूचना दी।

खेलों को बढ़ावा देने के प्रयासों से पदक जीत रहे खिलाड़ी

- यूएसए (अमेरिका) में अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में विजेता मोहित दहिया व रितिका दहिया का दिया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

विधायक कृष्णा गहलावत ने खेड़ी मनाजात गांव में आयोजित समारोह में यूएसए (अमेरिका) में आयोजित 2025 वर्ल्ड पुलिस गेम्स अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में बहुत ही होनहार खिलाड़ी कुश्ती में मोहित दहिया ने स्वर्ण पदक, रितिका दहिया ने जुडो कराटे (ग्रीको-रोमन) में स्वर्ण पदक विजेता का सम्मान किया। विधायक ने दोनों खिलाड़ियों को आशीर्वाद देते हुए निरंतर स्वर्णिम प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि हमारे बेटे-बेटियां लगातार खेलों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे उभरते खिलाड़ियों को भी प्रेरणा, प्रोत्साहन व साहस मिलता है। उन्होंने मोहित व रितिका के परिजनों सहित समस्त ग्राम व हलकावासियों को जीत की बधाई दी। विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए महाबली सतपाल ने भी दोनों खिलाड़ियों को बधाई दी। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि हरियाणा अब खेलों का हब बन चुका है और युवाओं की भूमिका देश को विकसित बनाने में बहुत महत्वपूर्ण होगी। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि हरियाणा सरकार की नई खेल नीति और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर ने खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान किया है। विभिन्न गांव में खेल स्टेडियम बनाया जा रहे हैं और उनमें खिलाड़ियों को पूरी सुविधा दी जा रही है।

राई। विधायक कृष्णा गहलावत व महाबली सतपाल विजेता मोहित दहिया व रितिका दहिया का सम्मान करते हुए ।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर संजय ब्रह्मचारी, आनंद दहिया, मंडल अध्यक्ष वेदपाल शास्त्री, अनिल आंतिल, जसपाल आंतिल, गुलाब खेड़ी, बिल्लू खेड़ी, सरपंच रीना, विरेंद्र बंसल और बिजेंद्र आदि गणमान्य व्यक्ति शामिल रहे।

महाराजा सूरजमल की स्मृति में निर्मित चौक लोकार्पित

गोहाना। नगर परिषद गोहाना और जाट महासभा ने शहर में महम मोड के पास महाराज सूरजमल की स्मृति में चौक तैयार करवाया। चौक का निर्माण नगर परिषद ने कराया जबकि महाराजा की प्रतिमा को महासभा ने तैयार करवाया। रविवार को नगर परिषद (नप) की चेयरपर्सन रजनी विरमानी और उप चेयरपर्सन राजबाला मलिक ने चौक का लोकार्पण किया। नप चेयरपर्सन रजनी विरमानी ने कहा कि जाट महासभा ने शहर को गौरवशाली इतिहास से जोडने का कार्य किया। महाराजा सूरजमल वीर, न्यायप्रिय और दूरदर्शी महापुरुष थे। उनका जीवन हमें हमेशा समाज और राष्ट्र के लिए निःस्वार्थ सेवा की प्रेरणा देता रहेगा।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पुष्पांजलि की अर्पित

विधायक बिंदरौली में सामुदायिक भवन का किया लोकार्पण

- एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

राई हलका विधायक एवं पूर्व मंत्री कृष्णा गहलावत ने भाजपा कार्यालय में राष्ट्रवादी विचारक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्मोत्सव में शामिल होकर उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इसके साथ ही उन्होंने गढ़ी बिंदरौली गांव में डा. मुखर्जी के जयंती समारोह का शुभारंभ करते हुए सामुदायिक भवन को लोकार्पित किया। विधायक कृष्णा गहलावत ने डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विभिन्न जयंती समारोहों में हिस्सा लिया। वे गढ़ी बिंदरौली गांव स्थित संत कबीर आश्रम में आयोजित समारोह में मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुई, जहां उन्होंने उनके द्वारा दी गई ग्रांट से निर्मित सामुदायिक भवन का उदघाटन किया। इस मौके पर दिल्ली के सांसद चंदोलिया तथा नरेला के विधायक राजकर्ण खत्री ने भी समारोह में हिस्सा लेते हुए लोगों को डा. मुखर्जी की जयंती की बधाई देते हुए उनकी शिक्षाओं को आत्मसात करने के लिए प्रोत्साहित किया। विधायक कृष्णा गहलावत ने अन्य अतिथियों के साथ गांव में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्रखर राष्ट्रवादी रहे हैं, जिन्होंने अपना सर्वस्व समाज व राष्ट्रोत्थान के लिए समर्पित कर दिया। हइस मौके पर इस मौके पर संजय ब्रह्मचारी, आनंद दहिया, मंडल अध्यक्ष वेदपाल शास्त्री, अनिल आंतिल, सरपंच रीना आदि गणमान्य व्यक्ति शामिल रहे।

राई। विधायक कृष्णा गहलावत का नव निर्मित सामुदायिक भवन के उदघाटन पर पगड़ी पहनाकर स्वागत करते हुए ।

ओबीसी आरक्षण पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का स्वागत

सोनीपत। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) जिला सोनीपत के सचिव आनंद शर्मा ने प्रैस वक्तव्य जारी करते हुए बताया कि माकपा पोलिट ब्यूरो ने ओबीसी आरक्षण पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का स्वागत किया है। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अपने कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण लागू करने के निर्णय का स्वागत करती है। न्यायालय ने विकलांग व्यक्तियों, भूतपूर्व सैनिकों और स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों को भी आरक्षण दिया है। एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्य न्यायाधीश ने सर्वोच्च न्यायालय के गैर-न्यायिक कर्मचारियों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की भर्ती के लिए रोस्टर प्रणाली के कार्यान्वयन की पहल की है।

आनंद शर्मा।

कौशलों और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से सशक्त बनाने का दिया प्रशिक्षण

- द पुष्प वर्ल्ड स्कूल में जिला स्तरीय विचार -विमर्श कार्यक्रम का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

द पुष्प वर्ल्ड स्कूल में जिला स्तरीय विचार -विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रमुख रिसोर्स पर्सन प्रतीक दुग्गल द्वारा शिक्षकों और प्राचार्यों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रारंभिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर के शिक्षकों तथा विद्यालय प्रमुखों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , ऑनलाइन टूल्स, 21वीं सदी के कौशलों और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से सशक्त बनाना था, जिससे छात्रों के सीखने के परिणामों में सुधार लाया जा सके। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की डायरेक्टर प्रिंसिपल डॉ. नीरज त्यागी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। छात्रों को कौशल-आधारित विषय डिज़ाइन थिंकिंग, कोडिंग, रोबोटिक्स, गणित और विज्ञान परियोजनाओं के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम में ग्रोवेल पब्लिक स्कूल, चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल, नवज्योति शिक्षा सदन, लॉर्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल, बख्तावरपुर, जानकीदास कपूर पब्लिक स्कूल, शिव शक्ति सीनियर सेकेंडरी स्कूल सोनीपत, जी.डी. गोयनका इंटरनेशनल स्कूल सोनीपत, सोफिया कॉन्वेंट स्कूल सोनीपत, टीका राम मॉडल स्कूल सोनीपत, जैन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जैन विद्या मंदिर हाई स्कूल, गीतांजलि सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बड़वासनी, पूर्ण मूर्ति ग्लोबल स्कूल शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन सुनील त्यागी ने अतिथियों का आभार प्रकट किया।

गन्नौर। द पुष्प वर्ल्ड स्कूल में विचार -विमर्श कार्यक्रम भाग लेते स्कूलों के शिक्षक ।

सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ 9 जुलाई को हड़ताल में बढ़ चढ़कर भाग लें : राठी

गन्नौर । एआईयूटीयूसी हरियाणा उपाध्यक्ष ईश्वर सिंह राठी ने कहा कि सरकार की मजदूर कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ आगामी 9 जुलाई को अखिल भारतीय हड़ताल में बढ़ चढ़कर भाग ले । राठी ने बताया कि सोनीपत जिले की ट्रेड यूनियन व कर्मचारी संगठनों ने संयुक्त रूप से निर्णय लिया है । हड़ताल के समर्थन में सोनीपत नगर निगम के पार्क से सुबह 10 बजे इकट्ठे होकर बस अड्डे तक जोरदार नारे लगाते हुए प्रदर्शन करेंगे। जिसमें मजदूर विरोधी लेबर कोड वापस लो, पुरानी पेंशन बहाल करो, सरकारी विभागों को बेचना बंद करो, खाली पड़े सभी पदों की भर्ती करो, आंगनवाड़ी, आशा,व मिड डे मील को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दो, निर्माण श्रमिकों के हित लाभ सरल करनेआदि मांगों को लेकर हड़ताल है। राठी ने सभी कर्मचारियों से हड़ताल को सफल बनाने का आह्वान किया और बढ़ चढ़कर भाग लेने की अपील की ।

कैंप में 40 त्रुटियां को किया ठीक

- प्रॉपर्टी आईडी से संबंधित त्रुटियों के समाधान के लिए रविवार को विशेष शिविर का आयोजन
- 70 लोग पहुंचें थे शिकायत लेकर, 30 सितंबर तक ठीक करवा सकते हैं त्रुटियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

नगर निगम द्वारा प्रॉपर्टी आईडी से संबंधित त्रुटियों के समाधान के लिए रविवार को विशेष शिविर का आयोजन किया गया। नगर निगम मेयर राजीव जैन के निर्देश पर आयोजित इस शिविर में लगभग 70 नागरिक पहुंचे, जिनमें से 40 की शिकायतें मौके पर ही समाधान कर दी गईं। शिविर में नाम, मोबाइल नंबर, क्षेत्रफल जैसी सामान्य त्रुटियों को तुरंत ठीक किया गया। मेयर राजीव जैन ने स्वयं शिविर का निरीक्षण किया और लोगों से फीडबैक लिया। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों और दुकानदारों की यह लगातार शिकायत थी कि उन्हें छुट्टी लेकर निगम कार्यालय आना पड़ता है, फिर भी यह निश्चित नहीं होता था कि उनका काम उसी दिन हो पाएगा या नहीं। इसी को ध्यान में रखते हुए अब रविवार को भी कैंप लगाने की शुरुआत की गई है। इससे कार्य की गति तेज होगी और लोगों को सुविधा मिलेगी। मेयर ने यह भी बताया कि विभाग ने प्रॉपर्टी आईडी से संबंधित त्रुटियों को सुधारने के लिए पहले 30 जून तक का समय निर्धारित किया था, लेकिन काम अधूरा रहने के कारण चेकर्स की एडमिन पावर अब 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि आवश्यकता महसूस हुई, तो क्षेत्रवार भी कैंप लगाए जाएंगे।

सोनीपत। नगर निगम में लगाए गए शिविर में पहुंचें लोग साथ में मेयर राजीव जैन।

1.97 लाख प्रॉपर्टी में से 62 हजार खाली

क्षेत्रीय कराधान अधिकारी राजेंद्र चुघ ने जानकारी दी कि नगर निगम क्षेत्र में कुल 1,97,757 प्रॉपर्टी दर्ज हैं, जिनमें से 62,000 प्रॉपर्टी खाली पड़ी हैं। शिविर में आए नागरिकों की प्रॉपर्टी का ऑन-द-स्पॉट सत्यापन भी करवाया गया, ताकि डाटा अपडेट हो सके और भविष्य में बिलिंग या टैक्स से जुड़ी परेशानियों से बचा जा सके। राजेंद्र चुघ ने कहा कि विभागीय निर्देशों के तहत त्रुटियां सुधारने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है और शिविर लगने से प्रक्रिया में पारदर्शिता और गति दोनों आई है।

जरूरतमंद परिवार की बेटी की शादी में दिया सामान

गोहाना। सज्जन सेवा संघ और शहीद भगत सिंह ब्रिगेड गोहाना ने जरूरतमंद परिवार की बेटी की शादी में रेफ्रिजरेटर, वस्त्र एवं अन्य सामान दान किया।

संस्थापक अध्यक्ष मास्टर राजेश लठवाल चिड़ाना ने बताया कि यह दूसरी बार है जब संस्था ने विवरण गुप्त रखते हुए किसी जरूरतमंद परिवार की बेटी के हाथ पीले करने के लिए मदद का हाथ आगे बढ़ाया है। शहर के नए बस अड्डा परिसर में सज्जन सेवा संघ व शहीद भगत सिंह ब्रिगेड द्वारा दैनिक लंगर, रोटी बैंक और कपड़ा बैंक संचालित किया जा रहा है। शहीदी दिवस पर 23 मार्च 2019 को शहीद भगत सिंह के पौत्र और शहीद भगत सिंह ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष यादवेन्द्र सिंह सन्धू ने इस सेवा का उद्घाटन किया था।

जरूरतमंद परिवार की बेटी की शादी में सामान देने के लिए बबीता लठवाल, ओमपति भनवाला, रेनू भनवाला, राजकुमार गुप्ता, विक्की सैनी, विकास आर्य व प. मांगेराम बड़ौता ने आर्थिक सहयोग किया।

विश्व पुलिस खेलः सचिन ने ग्रीको रोमन में जीता सोना

- पदक जीतने पर खिलाड़ी के परिवार व उनके गांव कासंडा में खुशी की लहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

यूएसए में आयोजित विश्व पुलिस खेलों में गांव कासंडा निवासी सचिन पुत्र रामनिवास ने स्वर्ण पदक जीत कर विश्व पटल पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। सचिन ने इन खेलों में ग्रीको रोमन कुश्ती प्रतियोगिता में अपने प्रतिद्वंद्वियों को पटखनी दी। वह उत्तरप्रदेश पुलिस में सिपाही के पद पर नियुक्त हैं। उनकी इस सफलता से उनके परिवार व गांव में खुशी का माहौल है। यूएसए में विश्व पुलिस खेल चल रहे हैं। इन खेलों में 3 जुलाई को ग्रीको रोमन कुश्ती प्रतियोगिता के मुकाबले हुए। सचिन ने इस प्रतियोगिता में 67 किलोग्राम भारवर्ग में अपने सभी प्रतिद्वंद्वियों को पटखनी देकर स्वर्ण पदक कब्जा लिया और विश्व पटल पर अपना व अपने देश का नाम रोशन किया। खिलाड़ी के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से उनके परिवार, गांव व उत्तरप्रदेश पुलिस में खुशी की लहर है। विदेशी धरा पर अपने लाडले के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन को लेकर खुशी से अभिभूत गांव कासंडा के ग्रामीण फूले नहीं समा रहे हैं।

गोहाना। गले में स्वर्ण पदक पहने हुए सचिन अपने देश के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को लहराते हुए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

अजय मलिक ने वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में जीता सिल्वर मेडल

गन्नौर । गांव सरढाणा के अजय मलिक ने अमेरिका में आयोजित वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में जीता सिल्वर मेडल जीता है।

अजय ने 21वें वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में कराटे में-75 किग्रा इंडिविजुअल कुमिते प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीतकर गौरव बढ़ाया है।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 27 जून से 6 जुलाई तक बर्मिंघम, अलबामा (यूएसए) में आयोजित की गई थी, जिसमें दुनियाभर के पुलिस और फायर डिपार्टमेंट के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। अजय मलिक की इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी की लहर है।

दो मेरिट लिस्ट के बाद भी 50% से ज्यादा सीटें खाली, आज समाप्त होगा दूसरा चरण

कॉलेजों में दाखिले बने प्रबंधनों के लिए चुनौती

- 10 जुलाई से पोर्टल दोबारा खुलेगा, विद्यार्थियों को मिलेगा एक और मौका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिले के 23 राजकीय, निजी व एडिड महाविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए जारी दाखिला प्रक्रिया के दो चरण पूरे होने जा रहे हैं, लेकिन अब भी 50 फीसदी से अधिक सीटें रिक्त हैं। एक समय था जब कॉलेजों में सीट पाने को छात्र लंबी कतारों में खड़े रहते थे, लेकिन अब हालत यह है कि महाविद्यालयों में सीट भरना कॉलेज प्रबंधनों के लिए चुनौती बन गया है।

जिले में कुल 13,562 स्नातक सीटें उपलब्ध हैं, जिनमें दाखिले के लिए 19 मई से 9 जून तक ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे। अपेक्षित आवेदन न आने पर अंतिम तिथि बढ़ाकर 16 जून की गई। इसके बाद 26 जून को प्रथम मेरिट सूची और 3 जुलाई को द्वितीय मेरिट सूची जारी की गई थी। दूसरे चरण की दाखिला प्रक्रिया 7 जुलाई (सोमवार) को पूरी हो रही है, लेकिन सीटें अब भी आधी से ज्यादा खाली हैं।

बाहर के कॉलेज बने पहली पसंद

छात्रों के महाविद्यालयों में कम रुचि दिखाने के पीछे कई कारण सामने आए हैं। कुछ विद्यार्थी दिल्ली व अन्य बड़े शहरों के कॉलेजों का रुख कर रहे हैं, वहीं कुछ कुरुक्षेत्र व चंडीगढ़ जैसे विश्वविद्यालयों में दाखिले को प्राथमिकता दे रहे हैं। वहीं, बड़ी संख्या में छात्र 12वीं के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुट गए हैं और कोचिंग संस्थानों से जुड़ चुके हैं। ऐसे में कॉलेजों में सीट भरना प्रशासन के लिए कठिन चुनौती बनता जा रहा है।

दाखिले के लिए फिर मिलेगा अवसर

दूसरे चरण के समाप्त होते ही 9 जुलाई को रिक्त सीटों की सूची जारी की जाएगी और 10 जुलाई से पोर्टल पुनः खोला जाएगा। 11 से 17 जुलाई तक छात्र 100 रुपये विलंब शुल्क के साथ दाखिला ले सकेंगे। इसके बाद 18 से 24 जुलाई तक प्रतिदिन 100 रुपये अतिरिक्त विलंब शुल्क के साथ दाखिले की सुविधा रहेगी। छात्रों को दस्तावेज सत्यापन और फीस जमा कराने के लिए ऑनलाइन सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई है, जिससे उन्हें बार-बार कॉलेज न आना पड़े।

कॉलेज स्तर पर हम छात्रों को दे रहे हर सुविधा

महाविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए दाखिले की प्रक्रिया का दूसरा चरण सोमवार को पूरा हो रहा है। जो छात्र छूट गए हैं, उन्हें 10 जुलाई से दोबारा अवसर मिलेगा। कॉलेज स्तर पर हम छात्रों को हर संभव सुविधा दे रहे हैं।
डॉ. अर्चना गुप्ता, प्राचार्य, हिंदू महाविद्यालय, सोनीपत।